देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 282 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...लोकतंत्र की स्थिति लगातार कमजोर

देहरादून, बृहस्पतिवार, 17 फरवरी 2022

पेज थ्री

मौसम अधिकतम 15.0° न्यूनतम 6.0°

39243.39 | 2 बप्पी दा क्यों कभी पाक नहीं गए ? | 7 प्रदर्शन में विराट ने गिरावट नहीं आने दी

भाजपा का मतलब दंगाराज और गुंडाराज से मुक्ति

पीएम ने सपा सरकार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सीतापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीतापुर में रैली को संबोधित करते हुए पूर्ववर्ती सपा सरकार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा। उन्होंने कहा कि यूपी में भाजपा की सरकार का मतलब है कि महिलाओं की मनचलों से सुरक्षा और माफियाराज, दंगाराज व गुंडाराज से मुक्ति। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में महिलाएं सुरक्षित हैं। वो देर रात अपने घरों से बाहर निकल सकती हैं। जबकि सपा सरकार में ऐसा नहीं था। यूपी में भाजपा की सरकार होने का मतलब है कि केंद्र की योजनाओं का डबल स्पीड से प्रदेश में कार्यान्वयन। डबल इंजन की सरकार होने से प्रदेश तेज रफ्तार से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यूपी का विकास वो लोग नहीं कर सकते जो दंगाइयों को, गुंडों को, माफिया को बढ़ावा देते हों। उत्तर प्रदेश के जागरूक लोग इस बात को जानते हैं इसलिए तो वो कह रहे हैं– आएगी तो भाजपा ही, आएंगे तो योगी ह। 2017 के पहले खनन माफिया और भूमाफिया का ही राज चलता था। सीतापुर के किसान कभी नहीं भूल सकते कि कैसे गन्ना बेचने आए किसानों पर मिल के फाटक के सामने लाठियां बरसाई गई थीं। इनका ट्रैक रिकॉर्ड गन्ना फैक्ट्रियों को बंद करने का भी रहा है। योगी सरकार नई गन्ना फैक्ट्रियां भी लगा रही हैं और पुरानी फैक्ट्रियों की क्षमता भी बढ़ा रही है।

प्रदेश में 2007–2017 के बीच 10 साल में इन्होंने 2 लाख से भी कम सरकारी नौकरियां यूपी के युवाओं को दी थी। योगी सरकार ने 5 साल में 4.5 लाख सरकारी नौकरियां दी हैं। मोदी ने कहा कि घोर परिवारवादियों की सरकार में नौकरियां किस तरह मिलती थीं, ये यूपी के लोग अच्छे से जानते हैं। उन्होंने कहा कि आज हम लोकल के वोकल होने की बात कर रहे हैं। इसके पीछे हमारा यही प्रयास हैकि देश में अधिक से अधिक उत्पादन हो, रोजगार के अधिक से अधिक अवसर बनें। घोर परिवारवादियों ने इतने वर्षों तक अपने कारीगरों पर हुनर के बजाय विदेश से आयात पर ही बल दे दिया।

भाजपा सरकार ने यूपी में 2 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण करके माता–बहनों की बहुत बड़ी परेशानी दूर की। शौचालय को इज्जतघर नाम उत्तर प्रदेश से ही मिला है।

सरकार गरीबों के लिए

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा मैं गरीबी जीकर आया हूं। गरीब की चिंता कौन करेगा, मां बीमार है, उसका इलाज कौन कराएगा। हमने प्रधानमंत्री योजना लाकर पांच लाख तक की सुविधा दी। ताकि कोई गरीब परिवार इलाज के अभाव में दम न तोड़े। आखिर सरकार होती किसके लिए है। सरकार गरीबों के लिए ही होती है। अमीर बीमार होगा तो दस डाक्टर आ जाएंगे।

वोकल फॉर लोकल बोलने में विपक्ष के नेताओं को दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वोकल फॉर लोकल बोलने पर भी विपक्ष के नेताओं को दुख होता है। क्योंकि ये बोलने से क्रेडिट मोदीजी को योगी जी को मिलेगा। घोर परिवारवादियों की सोच ने वर्षों तक अपने कारीगरों के हुनर पर बल देने के बजाए, विदेश से आयात पर बल दिया। योगी जी की सरकार यूपी के लोगों को इन दंगाइयों से अपराधियों से मुक्ति दिलाने का काम कर रही है इसलिए आज पूरा यूपी कह रहा है– जो कानून का राज लाए हैं, हम उनको लाएंगे।

मेरी प्राथमिकता में रहे हैं सतत विकास और पर्यावरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विश्व सतत विकास सम्मेलन के 21वें संस्करण के सत्र को संबोधित किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने जलवायु से संबंधित कार्यों के लिए विकसित देशों से आगे बढ़कर अपनी भूमिकाएं निभाने की अपील की। उन्होंने कहा जलवायु से जुड़े कार्यों के लिए पर्याप्त धन की जरूरत होती है। इसके लिए विकसित देशों को आगे बढ़कर वित्त और प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले गुजरात में और अब राष्ट्रीय स्तर पर अपने 20 वर्षों के कार्यकाल के दौरान सतत विकास और पर्यावरण मेरी प्राथमिकता में रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

लेफ्टिनेंट जनरल सी बंसी पोनप्पा ने संभाला थल सेनाध्यक्ष का पदभार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल चन्नीरा बंसी पोनप्पा ने बुधवार को भारतीय सेना के डिप्टी चीफ आफ आर्मी स्टाफ के रुप में पदभार संभाला। उनके नए पद ग्रहण की जानकारी भारतीय सेना ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से दी। पोस्ट में लिखा गया कि लेफ्टिनेंट जनरल को एएनआइ की कमान संभालने का गौरव प्राप्त है।

एनएसए के घर में संदिग्ध शख्स ने की घुसने की कोशिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। एनएसए अजीत डोभाल के दिल्ली स्थित आवास में एक अज्ञात शख्स ने घुसने की कोशिश की है। हालांकि, कड़ी सुरक्षा के चलते आरोपी शख्स अजीत डोभाल के घर में घुसने में सफल नहीं हो पाया। मौके पर मुस्तैद सुरक्षाबलों ने आरोपी शख्स को रोका और उसे हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि आरोपी शख्स से फिलहाल पूछताछ की जा रही है।

उत्तराखंड में नाइट कर्फ्यू खत्म,खुलेंगे आंगनबाड़ी केंद्र

शासन ने राज्य में लागू कोविड प्रतिबंध में दी ढील

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के साथ ही शासन ने राज्य में लागू कोविड प्रतिबंध में ढील दे दी है। राज्य में लागू रात्रि कर्फ्यू खत्म कर दिया गया है। इसके साथ ही अन्य कई रियायतें भी दी गई हैं। हालांकि, राजनीतिक रैली, धरना प्रदर्शन पर 28 फरवरी तक प्रतिबंध रहेगा। इसके लिए शासन ने एसओपी जारी कर दी है।

कोविड प्रतिबंध में मिली रियायत में कहा गया है कि जिम, शापिंह माल, सिनेमा हाल, स्पा, सैलून, थियेटर, आडिटोरियम और सभा कक्ष कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए पूरी क्षमता के साथ खुलेंगे। खेल संस्थान, स्टेडियम और खेल के मैदान खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए पूरी क्षमता के साथ खोले जाएंगे। सामाजिक, खेल, मनोरंजन, विवाह समारोह, सांस्कृतिक समारोह गतिविधियों में आयोजन स्थल की पूरी क्षमता के साथ व्यक्तियों के शामिल होने की अनुमति। कोविड गाइडलाइन का करना होगा पालन।

होटल, रेस्टोरेंट, भोजनालय और ढाबे खुल सकेंगे। एक मार्च से खुलेंगे सभी आंगनबाड़ी केंद्र। सार्वजनिक स्थल, पर्यटक स्थल, बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मंडी समेत अन्य भीड़भाड़ वाली जगहों पर कोविड गाइडलाइन का पालन करना होगा। मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, सैनिटाइजेशन का ध्यान रखना जरूरी।

कार्यस्थल और सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करने वालों को करना होगा मास्क का इस्तेमाल। सार्वजिनक स्थानों पर छह फिट की दूरी। सार्वजनिक स्थानों में थूकना गैरकानूनी, होगी कार्रवाई।

धरना–प्रदर्शन और रैली 28 फरवरी तक बंद

राज्य में स्वीमिंग पूल और वाटर पार्क 28 फरवरी 2022 तक रहेंगे बंद। राजनीतिक रैली, धरना–प्रदर्शन को 28 फरवरी तक अनुमति नहीं।

ड्रेस कोड बदलने से पहले नोटिस जारी करना चाहिए था

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बेंगलुरु। कर्नाटक में हिजाब विवाद पर हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रोफेसर रविवर्मा ने कर्नाटक शिक्षा अधिनियम का हवाला दिया। उन्होंने हाईकोर्ट में कहा कि, नियम कहता है कि जब शिक्षण संस्थान वर्दी बदलने का इरादा रखते हैं, तो माता–पिता को एक साल पहले अग्रिम नोटिस देना चाहिए। अगर हिजाब पर बैन लगाना था तो एक साल पहले नोटिस जारी करना चाहिए था।

सीनियर एडवोकेट प्रोफेसर रविवर्मा कुमार का कहना है कि हिजाब पर कोई पाबंदी नहीं है और सवाल यह उठता है कि किस अधिकार या नियम के तहत छात्रों को कक्षा से बाहर रखा गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, कालेज विकास समिति के पास छात्रों के

हिजाब विवाद

■हिजाब विवाद पर कर्नाटक हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

खिलाफ पुलिस जैसे अधिकार नहीं हो सकते हैं। वे आगे कहते हैं कि, इस तरह की समिति का गठन हमारे लोकतंत्र को घातक आघात देता है। इस पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने वकील से पूछा, आप कहते हैं कि कालेज डेवलपमेंट कमेटी को यूनिफार्म निर्धारित करने का कोई अधिकार नहीं है।

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रोफेसर रविवर्मा कुमार कहते हैं, एक विधायक एक राजनीतिक दल और विचारधारा का प्रतिनिधित्व भी करता है। क्या आप छात्रों के कल्याण को किसी राजनीतिक दल या राजनीतिक विचारधारा को सौंप सकते हैं? हालांकि, हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई से पहले हुबली के एक स्कूल में छात्रों द्वारा हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश का पालन नहीं किया गया। जिसके बाद हुबली के एसजेएमवी महिला कालेज में छुट्टी कर दी गई।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

नहीं रहे मशहूर संगीतकार बप्पी दा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। एक बार फिर देश की संगीत दुनिया सुनी हो गई है। स्वर कोकिला लता मंगेशकर के जाने के बाद, बालिवुड के मशहूर गायक और म्यूजिक कंपोजर बप्पी लहिरी का निधन हो गया है। बता दें कि वह 69 वर्ष के थे। उन्होंने अपनी आखिरी सांसें मुंबई के अस्पताल में ली। बप्पी दा ने 80–90 के दशक के ढेरों गाने गाए हैं और आज भी उनके कई गानों पर लोगों के पैर थिरकने लगते हैं। वहीं देश के गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य नेताओं ने अपना दुख व्यक्त किया है।

गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य नेताओं ने जताया दुख

मशहूर संगीतकार बप्पी लहरी के निधन पर गृह मंत्री अमित शाह ने अपना दुख व्यक्त किया उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर कहा, महान गायक और संगीतकार बप्पी लाहिड़ी जी के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा, श्सुप्रसिद्ध संगीतकार बप्पी लहरी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। बप्पीदा सामाजिक सरोकारों के प्रति भी हमेशा जागरूक रहे।